दूसरे (ग) में आपने यह जवाब दिया है कि नेपाली वंश के गोरखा और भूटान और सिक्किम के जो सैनिक हैं या विदेशों मे जो भारतीय सैनिक हैं उनके लिए आपने यह परमीशन दी है कि उनको 120 दिन तक की छुट्टी मिल सकती है। मैं यह जानना चाहती हूं कि उनको आपने यह परमीशन दी है तो जो और सैनिक हैं उनके लिए यह सुविधा क्यो नही दी।

श्री विद्या चरण शुक्ल : सभापति महोदय, जो पहला प्रश्न है उसका उत्तर मैं दे ही चुका हूं कि जो 1971 मे छुट्टी नही ले सके उन्हें 1972-73 में इस तरह की छुट्टी जोड़कर लेने की इजाजत दी जायगी। यह हमारा नियम है कि इस तरह की छुट्टी हम लोग साधारणतः नहीं देते है। फिर चूकि 1971 में हमारे ऊपर आक्रमण की आशंका थी जिसके कारण हम ने कुछ लोगों को छट्टी नहीं लेने लेने दी थी, इस लिए हमने असाधारण कार्य किया है जिसको हर साल करने का हम लोगों का इरादा नहीं है। जहां पक नेपालीज का सवाल है,आप जानते हैं कि इसमे केवल उन नेपालीज और गोरखो को सुविधा दी गई है जो कि नेपाल के रहने वाले हैं, भूटान और सिक्किम के रहने वाले हैं। ऐसे गोरखों को यह सुविधा नही दी गई है जो कि गोरखा होने के बावजूद भी हिन्दुस्तान के ही नागरिक है। इसी तरह की सुविधा हमने ऐसे कर्मचारियो को भी दी है जिनको हिन्दुस्तान के बाहर कार्यवश रहना पड़ता है। इस तरह की सुविधा साधारणतः हम उनको नहीं देते है जो कि हिन्दुस्तान के अन्दर रह कर के अपना कार्य करते है।

श्रीमती सविता बहन : मैं मिनिस्टर महोदय से सिर्फ यह जानना चाहती हूं कि अक्सर देखा गया है कि जो युनिट्स होती है उनमें आफिसर्स कम होते हैं और जो ऐन्युअल लीव उन्हें ड्यु होती है, जो उन्हें मिलनी चाहिये, चूकि बारी बारी आफिसर छुट्टी जाते है, इसलिए कई अफसरों को वह छुट्टी उस साल मे नही मिल पाती है, उसके लिए क्या आपने कोई ऐसा तरीका रखा है कि जो बेचारा घर से दूर रहकर के ड्यूटी देता है और साल मे एक बार छुट्टी जाता है उसको वह छुट्टी जरूर मिले। मैं इस बात से सहमत हूं कि वे छुट्टी में जायं क्योंकि वे छुट्टी इनज्वाय करते हैं, वहा रहते है, बैठते हैं, लेकिन वह छुट्टी जरूर मिले, इस चीज को देखना चाहिये। क्या मिनिस्टर महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कौन से ऐसे कदम उठाये जा रहे हैं जिनसे हर एक आफिसर को ऐन्युअल लीव पूरी तरह मिल सके।

श्री विद्या चरण शुक्ल: मैने बताया, सभापति महोदय, कि हम लोग इस बात को देखते है और इस बात को पूरा करते है कि हर एक व्यक्ति को छुट्टी मिले। अगर कोई छुट्टी लेना न भी चाहे तो हम उससे कहते है कि यदि वह छुट्टी नहीं जायगा तो उसकी छुट्टी लैप्स हो जायगी। इस लिए समय-समय पर जैसी आवश्यकता होती है उसके अनुसार हम छुट्टी देते है। एक साथ सब अफसरो को हम छुट्टी नहीं दे सकते है। पर यह हमारा नियम है और नीति है कि हर एक अफसर को, हर एक जवान को और हर एक नान कमीशड अफसर को हम छुट्टी देते है और इस तरह के हमने नियम बना रखे है कि उनको पूरी छुट्टी लेनी ही पड़ती है। हो सकता है कि एक आध को छुट्टी न दी हो, पर वैसे हर एक आफिसर, एक-एक जवान और हर एक नानकमिशंड आफिसर को हम लोग छुट्टी लेने के लिए लगभग बाध्य करते हैं।

ASSISTANCE FROM U. S. S. R.

*183. SHRI SASANKA SEKHAR SANYAL : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) what commercial, financial, technical and ancillary assistance and assistance in the shape of articles of consumption was obtained by India from U. S. S. R. in the years 1969, 1970 and 1971; and

(b) the value of such assistance in terms of Indian Currency ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI Y. B. CHAVAN) : (a) Machinery, equipment and technical services have been received under various Soviet Credit Agreements during 1969, 70 and 71, but no articles of consumption.

(b) Period		Soviet Credits (Rs. in millions)
1969	....	541.5
1970	....	396.8
1971	....	160.2

SHRI SASANKASEKHAR SANYAL : Will the hon. Minister be pleased to state whether there is any reciprocity basis in this assistance taken ?

SHRI Y. B. CHAVAN : Reciprocity basis for what ? Of course the payment is in terms of goods; rupee payment.

SHRI SASANKASEKHAR SANYAL : Will the hon. Minister be pleased to state what is the number of technical personnel whose assistance you have taken ?

SHRI Y. B. CHAVAN : Well, a large number of technical schemes have been agreed to. For example, Bokaro, expansion of Bhilai, designs for CEDB, Korba Aluminium smelter, are some of the projects. Whenever we need any technical assistance from them, we do take.

SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE: In view of the fact that a section of the economists either in the form of seminar or in the form of publications are constantly putting forward this point of view that there will be considerable strain on the Indian economy as a result of stoppage of aid from USA, may I know from the hon. Minister whether the Finance Ministry will have a seminar of economists on this point to give out the true picture as a result of stoppage of US aid on Indian economy ?

SHRI Y. B. CHAVAN : This question is about aid from USSR; is it not ?

DR. R. K. CHAKRABARTI : May I know whether any large scale manufacture of electronic components has been taken up in collaboration with the Russians and if not will the hon. Minister consider setting up one such plant for the manufacture of electronic components with the collaboration of the Russians ?

SHRI Y. B. CHAVAN : This is a suggestion for action.

हिमाचल प्रदेश में पर्यटक केन्द्रों का विकास

*184. **श्री ओउम् प्रकाश त्यागी** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह विदित है कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों की रुचि के अनेक स्थान हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार के पास हिमाचल प्रदेश के ऐसे पर्यटक केन्द्रों के विकास के लिए कोई योजना है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

†[DEVELOPMENT OF TOURIST CENTRES IN HIMACHAL PRADESH

*184. SHRI O.P. TYAGI : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Government are aware that there are a number of places of tourists interest in Himachal Pradesh;

(b) If so, whether Government have any plan for the development of such tourist centres in Himachal Pradesh; and

(c) if so, the details thereof ?]

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) A Tourist Bungalow at Dharamsala, a Youth Hostel at Dalhousie, a Reception Centre at Simla, a Camping Site on the Kulu Manali road and two motor launches for operation in Gobindsagar, and the development of Kulu-Manali as a resort complex are included in the Fourth Plan in the Central Sector. In addition a Cafeteria at a cost of Rs. 11.25 lakhs at Gobindsagar has already been completed, and two mini-coaches have been placed at the disposal of the Himachal Pradesh Government for the use of tourists visiting the Kulu-Manali area. The India Tourism Development Corporation runs Travellers Lodges at Kulu and Manali.

‡[**पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्णसिंह)** : (क) जी हां।

(ख) और (ग) चौथी योजना में केन्द्रीय क्षेत्र में धर्मशाला मे एक पर्यटक बंगला, डलहौजी में एक युवा होस्टल, शिमला मे एक स्वागत केन्द्र, कुल्लू मनाली रोड पर एक शिविर-स्थल तथा गोविन्दसागर में परिचालन के लिए दो मोटर लांचें और कुल्लू-मनाली को एक विहार समुच्य

†] [English translation.

‡[ ] Hindi translation.